रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 149] नई दिल्ली, बुधवार, जून 7, 2017/ज्येष्ठ 17, 1939
No. 149] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 7, 2017/JYAISTHA 17, 1939

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 1 जून, 2017

फा. सं. 11019/05/2016-(एचपीसी).—आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रति वर्ष धन्वन्तरि जयंती (धनतेरस) के दिन "आयुर्वेद दिवस" मनाने का निर्णय किया है। इस अवसर पर पणधारियों द्वारा आयुर्वेद के संवर्धन, प्रसार और लोकप्रियता के लिए पूरे देश में विभिन्न कार्यकलाप किए जाएंगे।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार सहर्ष "राष्ट्रीय धन्वन्तरि आयुर्वेद पुरस्कार" का शुभारंभ भी करती है, जो इस दिन विख्यात वैद्यों और आयुर्वेद विशेषज्ञों को प्रदान किया जाएगा तथा उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आयुर्वेद के सर्वोत्तम अभ्यासों को अपनाने हेतु प्रेरित किया जाएगा। इस निमित्त इस पुरस्कार के अधिशासी निम्नलिखित दिशा-निर्देश निर्मित, आदेशित व स्थापित किए गए हैं।

पुरस्कार का शीर्षक	विवरण
राष्ट्रीय धन्वन्तरि आयुर्वेद पुरस्कार	प्रशस्ति पत्र, ट्रॉफी (धन्वन्तरि की मूर्ति) और पांच लाख रुपए का नकद पुरस्कार

उद्देश्य:

प्रतिस्पर्द्धा के माध्यम से उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना। इन पुरस्कारों से आयुर्वेद में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सर्वोत्तम अभ्यासों को स्वीकार करने में बढ़ावा और प्रेरणा मिलेगी।

पात्रता :

आईएमसीसी अधिनियम, 1970 की दूसरी, तीसरी और चौथी अनुसूची में सम्मिलित योग्यताधारी सभी आयुर्वेद व्यवसायी इस पुरस्कार के पात्र होंगे।

मानदंड:

अभ्यास, अनुसंधान, शिक्षा, शासन, संवर्धन, प्रचार, सार्वजनिक स्वास्थ्य इत्यादि जैसे क्षेत्रों में से आयुर्वेद के किसी भी क्षेत्र में अत्यधिक योगदान रखने वाले व्यक्ति।

पुरस्कारों की प्रकृति और संख्या:

हर वर्ष तीन से चार पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

चयन का तरीका:

चयन समिति द्वारा पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की एक नामिका तैयार की जाएगी जिसमें से माननीय आयुष मंत्री अंतिम चयन करेंगे। इस समिति का गठन निम्नानुसार होगा:

i)	सचिव (आयुष)	-	अध्यक्ष
ii)	सचिव द्वारा नामित किए जाने वाले तीन आयुर्वेद विशेषज्ञ	-	सदस्य

चयन समिति निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाइन नामांकन आमंत्रित करेगी। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का चयन करने के लिए चयन समिति अपना ही तरीका खोजेगी जिसे आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की वेबसाइट पर डाल दिया जाएगा।

पुरस्कार की भेंट :

यह पुरस्कार धन्वन्तरि जयंती (धनतेरस) पर मनाए जाने वाले वार्षिक "आयुर्वेद दिवस" के अवसर पर दिया जाएगा एवं पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जायेगा।

पी. एन. रणजीत कुमार, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH)

RESOLUTION

New Delhi, the 1st June, 2017

F. No. 11019/05/2016-(IIPC).—The Ministry of AYUSH, Government of India has decided to celebrate "Ayurveda Day" every year on the day of Dhanwantri Jayanti (Dhanteras). Various activities shall be undertaken by the stakeholders throughout the country for promotion, propagation and popularization of Ayurveda.

The Ministry of AYUSH, Government of India is also pleased to institute "National Dhanwantari Ayurveda Award" to be conferred on this day to eminent *Vaidyas* and Ayurveda experts and motivate them to adopt best practices of Ayurveda in the pursuit of excellence and in this behalf, to make, ordain and establish the following guidelines governing the award.

Title of the Award	Details
National Dhanwantari Ayurveda Award	Citation, Trophy (Dhanwantari Statue) and Cash reward of Rupees five lakh.

Purpose:

To encourage excellence through competition. These awards would help promote and motivate adoption of best practices in the pursuit of excellence in Ayurveda.

(5)

Eligibility:

All the Ayurveda professionals possessing qualification included in 2nd 3rd and 4th Schedule of the IMCC Act, 1970 would be eligible for the award.

Criteria:

The individuals having profound contribution to the field of Ayurveda in any of the areas such as practice, research, education, governance, promotion and propagation, public health etc.

Nature and Number of Awards:

There shall be three to four awards to be given annually.

Method of Selection:

A panel of awardees would be prepared by the selection committee for final selection by the Hon'ble Minister of AYUSH. The committee shall have following composition:

i) Secretary (AYUSH)	-	Chairman
ii) Three Ayurveda experts to be nominated by the Secretary	-	Members

The Selection Committee will invite online nominations in the prescribed format. The Selection Committee will device its own procedure to select the awardees, which will be put on the website of Ministry of AYUSH, Government of India.

Presentation of Award:

The award shall be presented at the time of Annual "Ayurveda Day" to be celebrated on Dhanawantari Jayanti (Dhanteras) and the names of awardees shall be published in the Gazette of India.

P. N. RANJIT KUMAR, Jt. Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2017.06.09 13:46:44 +05'30'